मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज़ को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी में चल रही खींचतान

लंदन

स्पेन के दिग्गज मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज़ को को लेकर आजकल यूरोपीय फुटबाल के दो बड़े क्लबों रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खींचतान जारी है। इसी कारण रोड्री ट्रांसफर बाजार में इस समय चर्चाओं में बने हुए हैं। रियल मैड्रिड उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है, लेकिन मैनचेस्टर सिटी के साथ उनकी कीमत को लेकर बड़ी बाधा सामने आ रही है।

मौजूदा जानकारी के अनुसार, मैनचेस्टर सिटी अपने इस स्टार खिलाड़ी को छोड़ने के लिए कम से कम 80 मिलियन यूरो की मांग कर रहा है, जबकि रियल मैड्रिड ने अपनी अधिकतम पेशकश 60 मिलियन यूरो तक ही सीमित रखी है।

वहीं मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि दोनों क्लबों के बीच अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है। इस बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आने वाले कुछ सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा संभव होना है, तो दोनों पक्षों को एक बीच का रास्ता निकालना होगा, जिसमें उन्हें अपनी-अपनी मांगों से कुछ समझौता करना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि हर्नांडेज़ को मौजूदा समय में दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली मिडफील्ड खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। पिछले कई साल से उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए कई बड़े मुकाबलों में असाधारण प्रदर्शन किया है। उनकी सटीक पासिंग क्षमता, खेल की गति को नियंत्रित करने का हुनर और रक्षात्मक मजबूती उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाती है। इन्हीं खूबियों के चलते रियल मैड्रिड अपने मध्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत करने के लिए लंबे समय से रोड्री पर विचार कर रहा है।

रोड्री का मौजूदा अनुबंध वर्ष 2027 की गर्मियों तक है। इस अनुबंध की स्थिति रियल मैड्रिड को बातचीत में कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है। यदि मैनचेस्टर सिटी समय रहते रोड्री के साथ एक नया दीर्घकालिक अनुबंध हासिल नहीं कर पाता है, तो भविष्य में खिलाड़ी की बाजार कीमत प्रभावित हो सकती है। ऐसे में मैनचेस्टर सिटी के सामने यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक फैसला होगा कि वह अभी एक बड़े ट्रांसफर शुल्क पर विचार करे या खिलाड़ी को अपने साथ बनाए रखने का जोखिम उठाए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रोड्री भी व्यक्तिगत और पेशेवर फुटबाल से जुड़े कारणों से एक नई चुनौती स्वीकार करने तैयर हैं। इसी वजह से रियल मैड्रिड में शामिल होने की उनकी संभावना को लेकर अटकलें लगातार तेज हो रही हैं। हालांकि, खिलाड़ी या दोनों में से किसी भी क्लब की ओर से अब तक किसी अंतिम समझौते की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, जिससे स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। रोड्री ने हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2026 के विश्व कप में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रतिष्ठित स्वर्ण गेंद पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, जिसके बाद से यूरोप के कई शीर्ष क्लबों की नजर उन पर बनी हुई है। यह उनकी वैश्विक पहचान और खेल के प्रति उनकी निरंतरता का प्रमाण है।

न्यूज ब्रीफ

असाधारण साहस और इच्छाशक्ति से राष्ट्रमंडल खेलों तक पहुंचे शुभम

ग्लासगो। राष्ट्रमण्डल खेलों की शाट पुट स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पैरा एथलीट शुभम जुयाल का

पोडियम तक का सफर आसान नहीं रहा है। शुभम की ये उपलब्धि उनके असाधारण साहस और इच्छाशक्ति को दिखाती है, क्योंकि ठीक चार साल पहले वह जिंदगी की जंग लड़ रहे थे। तब वह आईसीयू में थे। उस दिन उनका एक पैर घुटने के ऊपर से काटना पड़ा था और इससे उनका भारतीय सेना में शामिल होने का सपना तक टूट गया था। इससे जुयाल को ऐसा लग रहा था जैसे जिंदगी बुरी तरह थम गई हो। वहीं अब उनके पास एक रजत है। अपनी इस यात्रा को याद करते हुए जुयाल ने से कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि ठीक चार साल पहले, 1 अगस्त को मैं आईसीयू में था। मेरा पैर घुटने के ऊपर से काटना पड़ा था और उस समय मैं पूरी तरह से निराश और बिना किसी मकसद के था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि चार साल बाद मैं राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लूंगा, रजत पदक जीतने की तो बात ही छोड़िए। जिंदगी बदलने वाले उस हादसे से पहले जुयाल का एकमात्र मकसद भारतीय सेना में सेवा करना था। 26 साल की उम्र में उन्होंने आर्मी कैडेट कालेज एंट्री स्कीम के लिए लिखित परीक्षा पास की थी और प्रतिष्ठित एसएसबी इंटरव्यू से बस एक हफ्ता दूर थे, तभी एक गंभीर मोटरसाइकिल दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने याद करते हुए कहा, चार साल पहले, मेरा मकसद आर्मी आफिसर बनना था। मुझे नहीं पता था कि हादसे के बाद मैं जिंदगी में क्या करूंगा। जुयाल की जिंदगी में अहम मोड़ 2023 में आया जब वे आर्मी पैरालंपिक नोड में शामिल हुए। वहीं उनकी मुलाकात सूबेदार मेजर आर के सिंह रावत से हुई, जिन्होंने उनकी किस्मत बदलने में मदद की। उस समय, जुयाल का पैरा-एथलेटिक्स में कोई अनुभव नहीं था। जुयाल ने माना, मुझे शाट पुट के बारे में शून्य जानकारी थी। लेकिन मेरे कोच ने मुझे प्रेरित किया और सब कुछ सिखाया।

डब्ल्यूटीसी का ध्यान छोड़ हर जगह जीतने वाली टीम बनायें : दासगुप्ता

मुम्बई। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि भारतीय टीम को अभी विश्व टेस्ट

चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की चिन्ता छोड़कर आने वाले मुकाबलों पर ध्यान देना चाहिये। दासगुप्ता के अनुसार पहले एक मजबूत टीम बनाना जरुरी है। जैसी की साल 2020-21 में थी जो विश्व में कहीं भी जीत हासिल कर सकती थी। भारतीय टीम अभी डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है, और श्रीलंका के खिलाफ उसे 15 अगस्त से शुरू हो रही सीरीज जीतनी है जिससे कि वह डब्ल्यूटीसी की दौड़ में बनी रहे। उसी को लेकर टीम पर दबाव है। इसी को लेकर दासगुप्ता ने कहा कि टेस्ट टीम इस समय बदलाव के दौर से गुजर रही है। उनके अनुसार, ऐसे समय में टीम की निरंतर प्रगति सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, लोग मेरी बात से असहमत हो सकते हैं, लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह बनाने के बारे में सोचना अभी जरुरी नहीं है। हमें ऐसी टेस्ट टीम बनानी चाहिए जो 2020-21 में जैसी थी जो घर और विदेश दोनों जगह लगातार सीरीज जीतने वाली। दासगुप्ता का मानना है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल पर लगातार ध्यान देने से टीम शार्टकट अपना सकती है और उसका ध्यान सिर्फ अगले मैच या सीरीज को जीतने तक सीमित रह जाएगा। उन्होंने इसे सही तरीका नहीं माना है और कहा कि अस्थायी समाधान की जगह भविष्य के लिए बेहतर टीम बनाना जरुरी है। उन्होंने माना है कि घरेलू टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद टीम प्रबंधन और खिलाड़ियों पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

आस्ट्रेलिया अंडर-19 टीम का भारत दौरा:भारतीय मूल के नील पटेल को 16 सदस्यीय टीम में मिली जगह

मुम्बई। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने अगले महीने होने वाले भारत दौरे के लिए 16 सदस्यीय अंडर-19 पुरुष टीम का ऐलान कर दिया है। इस टीम में भारतीय मूल के न्यू साउथ वेल्स के खिलाड़ी नील पटेल को भी शामिल किया गया है। यह टीम भारत के खिलाफ राजकोट और अहमदाबाद में पांच मैचों की मल्टी-फार्मेट सीरीज खेलेगी। न्यू साउथ वेल्स के रहने वाले नील पटेल यूनिवर्सिटी आफ न्यू साउथ वेल्स क्रिकेट क्लब से खेलते हैं। उन्हें आस्ट्रेलिया के उभरते युवा खिलाड़ियों में गिना जाता है। यह दौरा चार सप्ताह तक चलेगा। इसमें आस्ट्रेलिया की टीम भारत के खिलाफ तीन 50-ओवर के मैच और दो चार-दिवसीय मैच खेलेगी। ये मुकाबले 13 सितंबर से 9 अक्टूबर 2026 के बीच राजकोट और अहमदाबाद में आयोजित किए जाएंगे। इस टीम का चयन यूथ नेशनल सिलेक्शन पैनल ने किया है, जिसमें आस्ट्रेलिया के सबसे होनहार युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है।

राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय दल के प्रदर्शन पर मांडविया ने जताया गर्व, बोले- भारत ने बढ़ती खेल ताकत का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेल 2026 में भारतीय दल के शानदार प्रदर्शन पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि भारत ने सीमित खेलों वाले इस संस्करण में भी अपनी बढ़ती खेल ताकत का शानदार परिचय दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2030 में अहमदाबाद में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों का शताब्दी संस्करण भारत इतिहास के सबसे यादगार आयोजनों में से एक बनाएगा।

मनसुख मांडविया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2026 का समापन शानदार चौथे स्थान के साथ किया। ग्लासगो 2026 का यह संस्करण सीमित खेलों वाला था और इसमें कई ऐसे खेल शामिल नहीं थे जिनमें भारत पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। इसके बावजूद भारतीय दल ने बर्मिंघम 2022 में समान खेलों में जीते गए 30 पदकों की तुलना में इस बार 39 पदक जीतकर उल्लेखनीय सुधार किया है।

उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय खेलों की गहराई और मजबूती लगातार बढ़ रही है। तिरंगे के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने वाले हर खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ पर हमें गर्व है।

मांडविया ने आगे कहा, अब जब भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी संस्करण की मेजबानी की तैयारी कर रहा है, हमारा संकल्प है कि हम खेलों के इतिहास के सबसे शानदार आयोजनों में से एक का आयोजन करें।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदक अपने नाम किए। सीमित खेलों के बावजूद भारत ने मुक्केबाजी, एथलेटिक्स, जूडो, पैरा खेलों और भारोत्तोलन जैसे खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

पदक तालिका में आस्ट्रेलिया 70 स्वर्ण सहित कुल 171 पदकों के साथ शीर्ष पर रहा। इंग्लैंड 110 पदकों के साथ दूसरे और कनाडा 62 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। मेजबान स्काटलैंड ने भी 39 पदक

जीते, लेकिन भारत से कम रजत पदक होने के कारण उसे पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा।

11 दिनों तक चले इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि भारत राष्ट्रमंडल देशों की प्रमुख खेल शक्तियों में शामिल है और अब उसकी नजरें अहमदाबाद 2030 में सफल मेजबानी के साथ-साथ और भी बेहतर प्रदर्शन पर टिकी हैं।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से बाहर हुए बुमराह, आकिब नबी को मिला मौका

नई दिल्ली

भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने उनकी जगह जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को पहली बार भारतीय सीनियर टेस्ट टीम में शामिल किया है।

बीसीसीआई के अनुसार, बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान लगी बाएं घुटने की चोट से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। इसी वजह से उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए उपलब्ध नहीं माना गया और चयन समिति ने उनके स्थान पर आकिब नबी को मौका दिया।

आकिब नबी के लिए यह भारतीय सीनियर टीम में पहला चयन है। जम्मू-कश्मीर के इस युवा तेज गेंदबाज ने पिछले दो रणजी ट्राफी सत्रों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 104 विकेट अपने नाम किए हैं। इनमें 2025-26 रणजी ट्राफी सीजन में 60 विकेट शामिल हैं। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत जम्मू-कश्मीर ने अपने इतिहास में पहली बार रणजी ट्राफी का खिताब जीता।

हाल ही में आकिब नबी भारत-ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर भी गए थे, जहां उन्होंने दो प्रथम श्रेणी मुकाबलों में छह विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

श्रीलंका के खिलाफ भारत की संशोधित टेस्ट टीम:

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन , ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

साई सुदर्शन का चयन फिटनेस मंजूरी मिलने के अधीन रहेगा।

30 अगस्त से शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग शुरू

मोहाली। क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह समेत कई स्टार क्रिकेटर अब इसी महीने मोहाली के पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेलते नजर आएंगे। शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग का भव्य आगाज हुआ। टूर्नामेंट 30 अगस्त से 13 सितंबर तक चलेगा। पीसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव गुरमीत सिंह मीत हेयर और अध्यक्ष अमरजीत सिंह महिता ने लीग का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मौके पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह विशेष रूप से मौजूद रहे। टूर्नामेंट में छह फ्रेंचाइजी टीमें कुल 27 मुकाबले खेलेंगी। क्रिकेट प्रेमियों को शुभमन गिल, अर्शदीप सिंह, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह, गुरनूर बराड़ और रमनदीप सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों को एक्शन में देखने का मौका मिलेगा। खिलाड़ियों की नीलामी 9 अगस्त को होगी।

विश्व कप में मैक्सवेल सहित इन बल्लेबाजों ने लगाये हैं सबसे तेज शतक

मुम्बई

विश्व क्रिकेट में कई बल्लेबाजों ने ऐसी तेज पारियां खेली है। जिससे नये निकार्ड बने हैं। विश्वकप क्रिकेट में इन बल्लेबाजों ने अपनी आक्रामक पारियों से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के साथ ही अपनी टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई है। इन खिलाड़ियों ने अपनी पारियों से मैच तक बदल दिये हैं विश्व कप में आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल, दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम सहित इन खिलाड़ियों के नाम सबसे तेज शतक के रिकार्ड हैं।

ग्लेन मैक्सवैल : साल 2023 के एकदिवसीय विश्व कप में मैक्सवेल ने नीदरलैंड्स के खिलाफ केवल 40 गेंदों में विश्व कप इतिहास का सबसे तेज़ शतक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया। उन्होंने कुल 44 गेंदों में 106 रन की विस्फोटक पारी खेली, जो आक्रामक बल्लेबाजी का एक नया पैमाना बन गई और उनकी टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं 2015 के विश्व कप में सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर मैक्सवेल ने श्रीलंका के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। मैदान के चारों तरफ अनोखे और अकल्पनीय शाट्स खेलते हुए उन्होंने मात्र 51 गेंदों में अपना पहला विश्व कप शतक पूरा किया। मैक्सवेल ने 53 गेंदों का सामना करते हुए 102 रन की आतिशी पारी खेली और आस्ट्रेलियाई टीम को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाया, जिससे उनकी

टीम ने शानदार जीत दर्ज की।

एडन मार्करम : वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्करम ने श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने केवल 49 गेंदों में शतक पूरा किया। मार्करम ने अपनी 54 गेंदों की पारी में 106 रन बनाये और टीम को एक विशाल स्कोर तक पहुंचाया। मैक्सवेल के तूफान से पहले तक, यह एकदिवसीय विश्व कप का सबसे तेज शतक था। केविन ओब्रायन : वहीं अगर क्रिकेट विश्व कप के सबसे तेज शतकों की बात की जाए, तो आयरलैंड के केविन ओब्रायन की पारी को हमेशा याद किया जाता है। 2011 विश्व कप में बेंगलुरु में इंग्लैंड ने आयरलैंड को 328 रनों का विशाल लक्ष्य दिया था। एक समय आयरलैंड की हार तय लग रही थी, तभी ओब्रायन क्रीज़ पर उतरे और उन्होंने केवल 50 गेंदों में तूफानी शतक पूरा किया और 63 गेंदों पर 113 रन की मैच विजेता पारी खेलकर आयरलैंड को विश्व कप इतिहास का सबसे बड़ा उलटफेर करने में मदद की। उनका यह रिकार्ड 12 सालों तक अटूट रहा।

एबी डिविलियर्स : दक्षिण अफ्रीका के मिस्टर 360 डिग्री एबी डिविलियर्स ने साल 2015 के विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल 52 गेंदों में ही शतक लगा दिया।

रहाणे की जगह कप्तानी के दावेदार है रिंकू सहित ये तीन क्रिकेटर

मुम्बई

अजिंक्य रहाणे के खेल को अलविदा कहने के बाद अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) नये कप्तान की तलाश में लग गयी है। उसकी कप्तानी की दौड़ में रिंकू सिंह सबसे आगे हैं। रिंकू के अलावा कैमरन ग्रीन और वरुण चक्रवर्ती भी दावेदारों में शामिल हैं। रहाणे ने आईपीएल 2025 और 2026 के दो सीज़न में केकेआर की कमान संभाली थी।

इन दो वर्षों में उन्होंने कुल 27 मैचों में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें उन्हें 11 जीत और 14 हार का सामना करना पड़ा। हालांकि उनके अनुभव ने हमेशा टीम को मार्गदर्शन दिया, लेकिन अब जब

वह खेल से दूर हो गए हैं, तो केकेआर को साल 2027 सत्र के लिए नया कप्तान तलाशना है।

इस दौड़ में सबसे आगे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह हैं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई साल से केकेआर के प्रशंसकों के दिलों में छाये रिंकू, आईपीएल 2026 में रहाणे के साथ उप-कप्तान भी रहे चुके हैं और अब कप्तानी की रेस में सबसे प्रबल दावेदार हैं। नाइट राइडर्स के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत से ही बने रहे रिंकू ने अब तक 73 मैचों में 1,394 रन बनाए हैं। दबाव में शांत रहना और महत्वपूर्ण मौकों पर मैच खत्म करना उनकी पहचान है।

वहीं दूसरे दावेदार आस्ट्रेलियाई स्टार आलराउंडर कैमरन ग्रीन हैं। आईपीएल 2026 की नीलामी में जब केकेआर ने ग्रीन पर 25.20 करोड़ रुपये की बड़ी बोली लगाई थी, तो यह स्पष्ट था कि फ्रेंचाइजी उनमें अपना भविष्य देख रही है। ग्रीन ने अपनी कीमत को सही ठहराते हुए 2026 सीज़न के सभी 14 लीग मैच खेले और 322 रन बनाए। अंतरराष्ट्रीय स्तर का विशाल अनुभव और आधुनिक टी20 क्रिकेट की गहरी समझ ग्रीन को केकेआर की कप्तानी की दौड़ में अहम बनाती है।

तीसरा नाम रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती का है। वरुण केवल एक गेंदबाज नहीं हैं, बल्कि केकेआर के इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं। वह फ्रेंचाइजी के लिए 100 से ज्यादा विकेट लेने वाले एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं और केकेआर के इतिहास में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। वरुण के पास नेतृत्व का अनुभव भी है, क्योंकि वह घरेलू क्रिकेट की प्रतिष्ठित सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में तमिलनाडु की कप्तानी कर चुके हैं। अगर केकेआर किसी भारतीय और अनुभवी चेहरे पर दांव लगाना चाहती है, तो वरुण एक चौंकाने वाले लेकिन बेहद सटीक कप्तान साबित हो सकते हैं। अब देखना होगा कि फ्रेंचाइजी अनुभव, युवा ऊर्जा या घरेलू नेतृत्व में से किसे प्राथमिकता देती है ताकि टीम अगले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करे।